लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

'आतंकवाद न केवल समाज को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान होता है: लोक सभा अध्यक्ष

कैंप : टोक्यो, जापान, **4** नवंबर **2019** : लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला, जो टोक्यो, जापान में आयोजित जी-20 देशों (पी 20) की संसदों के अध्यक्षों के छठे शिखर सम्मेलन में भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं , ने 'वैश्विक चुनौतियों के समाधान के प्रयास और एस. डी.जी. की उपलब्धि' विषय पर सेशन-III में पीठासीन अधिकारियों से अपने विचार साझा किये ।

यह उल्लेख करते हुए कि आज विश्व विभिन्न चुनौतियों से जूझ रहा है जो कि न केवल विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रोकती हैं बल्कि मानवता के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रही है, श्री बिरला ने कहा कि सबसे पहली और प्रमुख चुनौती आतंकवाद है । आतंकवाद न केवल समाज को नुकसान पहुंचाता है बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान होती है और यह मौजूदा विकास को नष्ट कर देता है।

उन्होंने कहा कि दूसरी प्रमुख चुनौती जलवायु परिवर्तन की है जो न केवल हमारे ग्रह का स्वरूप बदल रही है बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए गंभीर जोखिमों तथा अस्थिरता का भी सृजन कर रही है । उन्होंने जोर देकर कहा कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर समान और साझी किन्तु अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए एक समग्र तरीके से विचार किए जाने की आवश्यकता है ।

श्री बिरला ने यह भी उल्लेख किया कि 2030 एजेंडा और इसके अंतर्गत सतत विकास लक्ष्य भारत की अपनी विकास प्राथमिकताओं को दर्शाते हैं । इसीलिए, भारत के राष्ट्रीय विकास के लक्ष्यों तथा सबका साथ, सबका विकास के एजेंडे का सतत विकास लक्ष्यों के साथ सामंजस्य है । उन्होंने बताया कि विकास एजेंडे के लक्ष्य को प्राप्त करने की गति को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने 'स्ट्रेटेजी फॉर न्यू इंडिया 75' योजना आरंभ की है जोकि सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है और जिसका उद्देश्य 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाना है ।

इससे पहले श्री ओम बिरला ने 'मानव केन्द्रित समाज की ओर नूतन प्रौद्योगिकी का सदुपयोग' विषय पर सेशन-II में पीठासीन अधिकारियों को सम्बोधित किया। श्री बिरला ने कहा कि आज प्रौद्योगिकी और नवाचार समाजों और अर्थव्यवस्थाओं में उस पद्धति में महत्वपूर्ण बदलाव ला रहे हैं, जिसके अंतर्गत उन्हें परिचालित किया जाता है ।

श्री बिरला ने कहा कि भारत के लिए डिजिटलीकरण पारदर्शी, समावेशी, सतत और प्रभावी ढंग से 1 अरब 32 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान कर रहा है। आधार के माध्यम से भारत में 1 अरब 24 करोड़ लोगों को डिजिटल पहचान दी है। उन्होंने आगे बताया कि भारत यूपीआई आधारित भारत इंटरफेस फॉर मनी (भीम) के माध्यम से डिजिटल भुगतान के युग में प्रवेश कर रहा है और वित्तीय समावेशन की योजना, प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत 37 करोड़ से अधिक नये लाभार्थियों के बैंक खाते खोले गए हैं। श्री बिरला ने कहा कि भारत में डिजिटल बदलाव ने स्त्री-पुरूष असमानता को भी सफलतापूर्वक कम किया है। भारत में आईटी सेवा उद्योग में लगभग 4.14 मिलियन लोग कार्य कर कर रहे हैं जिनमें से 30 प्रतिशत महिलाएं हैं।

श्री बिरला ने कहा कि हमारी संसद के कामकाज में भी बहुत बदलाव आ रहा है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग से न केवल कामकाज अधिक पारदर्शी और कुशलतापूर्वक हो रहा है बल्कि कार्य का निर्वहन अधिक प्रभावी ढंग से हो रहा है।

श्री बिड़ला मैक्सिको, इंडोनेशिया, रूस, नीदरलैंड और अन्य देशों के पीठासीन अधिकारियों से भी मिले।

'TERRORISM NOT ONLY DAMAGES THE SOCIETY BUT ALSO SIGNIFICANTLY IMPACTS THE ECONOMY': LOK SABHA SPEAKER

Camp, Tokyo (Japan), 4 November 2019: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, who is in Tokyo to attend the 6th Parliamentary Speakers' Summit of G 20 Countries (P20), shared his views with Presiding Officers of Parliaments of G20 countries at Session III on the theme 'Global challenges and achievement of SDGs' today.

Observing that the world today is grappling with several challenges which not only obstruct the efforts towards development but also pose a serious threat to humanity, Shri Birla said that the First and foremost challenge is Terrorism. He expressed the view that terrorism not only damages the society but also significantly impacts the economy and destroys the development that has taken place.

He observed that another major challenge is Climate Change which is not only altering the character of our planet but also creating critical risks and instability for future generations. He felt that the issue of climate change must be considered in a holistic manner, keeping in mind the principles of equity and common but differentiated responsibilities.

Shri Birla also referred that the 2030 Agenda and its SDGs mirrors India's own development priorities. Accordingly, there is a convergence of India's national development goals and agenda of, 'Sabka Saath, Sabka Vikas' or 'Collective efforts, Inclusive growth,' with the SDGs. He emphasized that to accelerate the pace of realization of the Development agenda, the government of India has unfurled the, 'strategy for New India @ 75', that is aligned to SDGs and aims to propel India towards a 5 trillion dollar economy by 2024.

Prior to this, addressing the Presiding Officers on the theme 'Utilization of Innovative Technology towards a Human-Centered Society' at Session II, Shri Birla said that that technology and innovations are bringing about significant changes in the way societies and economies are run. He said that these are gathering traction and presents an opportunity to meet growth aspirations of developing countries.

Shri Birla mentioned that, for India, digitization presents, in a comprehensive, continuous and effective way, an unprecedented opportunity to realize the aspirations of 1.32 billion people and through the Adhaar, digital identity has been provided to 1.24 billion people in India. He further noted that, in India, digital payment has increased exponentially through UPI based Bharat Interface for Money (BHIM) and through the financial Inclusion Scheme - Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (Prime Minister's Peoples' Wealth Scheme). More than 370 million new beneficiaries have been provided bank accounts. He said that the Information Technology Enabled Services Industry in India employs around 4.14 million workers of which 30 percent are women.

On the use of ICT in Parliament of India, Shri Birla said that the use of information and communication technology is benefitting not only by making Parliament's working more transparent and efficient but also by strengthening the ways to discharge their functions effectively.

During the day, Shri Birla also met Presiding Officers of Mexico, Indonesia, Russia, Netherlands and other countries.